बीडा में बनेगा बायो फार्मा पार्क, दवाओं और चिकित्सा उपकरण का होगा निर्माण

झाँसी : बुन्देलखण्ड को चिकित्सा उपकरण का हब बनाने की कवायद प्रारम्भ हो गयी है। इसकी जिम्मेदारी बीडा को सौंपी गयी है। बीडा झाँसी में बायो फार्मा पार्क बनाने जा रहा है। पार्क में फार्मेसी का पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किए जाने की योजना है। इसके लिए निवेशकों से सम्पर्क कराना प्रारम्भ कर दिया गया है।

बीडा (बुन्देलखण्ड इण्डस्ट्रियल डिवेलपमेण्ट अथॉरिटि) ने झाँसी को औद्योगिक नगर के रूप में विकसित करने के लिए 33 गाँवों की 56,600 एकड़ जमीन चिह्नित की है। इसमें से 18,119 एकड़ भूमि अधिगृहीत की जा चुकी है। यहाँ हर तरह की इकाइयाँ स्थापित करने की योजना है। बीडा में सर्जिकल उपकरण सहित विभिन्न बीमारियों के लिए बनने वाली वैक्सीन, इंजेक्शन, थर्मामीटर, दवाएं आदि बनाने के लिए यूनिट भी स्थापित की जाना है।

बीडा के ओएसडी सौम्य मिश्रा ने बताया कि निवेशकों से सम्पर्क किया जा रहा है। फार्मा इकाई स्थापित करने वाले निवेशक को भूमि की खरीद पर स्टैम्प शुल्क में शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी, जबकि भूमि के लिए ऋण पर, बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए ब्याज पर तथा सामान्य सुविधाओं के निर्माण के लिए सब्सिडि दी जाएगी। इसके अलावा मशीनरी और अन्य उपकरण की खरीद पर भी सब्सिडि का प्रावधान किया गया है। साथ ही 10 वर्ष के लिए विद्युत शुल्क में भी छूट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि जो कम्पनि यहाँ यूनिट लगाएंगी वह अधिकतम 10 प्रशिक्षुओं के लिए एनपीएस (नेट प्रमोटर स्कोर) और सीएमएपीएस (सेण्ट्रल प्लैन स्कीम मॉनिटरिंग सिस्टम) के तहत 6 महीने के प्रशिक्षण के लिए छात्रवृत्ति, अनुसन्धान और विकास संस्थान विकसित करने के लिए ऋण पर वार्षिक ब्याज पर 60 प्रतिशत प्रतिपूर्ति का भी प्राविधान किया गया है। बताया जा रहा है कि सीएमआइआर (काउंसिल ऑफ साइण्टिफिक ऐण्ड इण्डस्ट्रियल रिसर्च) तथा डीआरडीओ (डिफेन्स रिसर्च ऐण्ड डिवेलपमेण्ट ऑर्गनाइजेशन) जैसी संस्थाओं को नॉलेज पार्टनर के रूप में शामिल किया जाएगा।

ललितपुर में बन रहा बल्क ड्रग पार्क

बीडा में बायो फार्म पार्क बनाने की योजना है तो ललितपुर में भी बल्क ड्रग पार्क बनाया जा रहा है। ललितपुर के ड्रग पार्क को बनारस हिन्दू विश्वद्यालय के आइआइटी विभाग ने विकसित करने की योजना तैयार की है। यूपीसीडा द्वारा 350 एकड़ में 450 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस पार्क में 29 इकाइयाँ स्थापित की जाएंगी। इसमें शोध केन्द्र और ड्राइ पोर्ट भी बनाया जाएगा।

- निवेशकों को दी जाएगी सब्सिडि
- भूमि खरीद पर स्टैम्प शुल्क में मिलेगी छूट